नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिस, बिबिस र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि ।
नास्ट कलेज
धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २२ अंक २१४ वि.सं. २०८१ फागुन ११ गते अँट्वार थारु सम्वत (२६४८) [Sunday 23 February 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

नेपाल मगर संघसे ४३औं स्थापना दिवस मनैना

"मगर समुदायके पहिचान सरकारहे जानकारी डेना जरुरी बा"

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १० फागुन । नेपाल मंगर संघसे ४३औं स्थापना दिवस धनगढीमे मनैना जनैले बा ।

संघसे ४३औं स्थापना तथा एकता दिवस यिहे फागुन १५ गते धनगढी उपमहानगरपालिका वडा नम्बर ५ तारानगरके थारु देउथानमे मनैना हुइल हो ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे मगर समुदायहे नैचिन्हल ओरसे पहिचानबारे जानकारी डेहक लाग टमान कार्यक्रमके आयोजना स्थापना तथा एकता धनगढीमे मनाई जैटी रहल नेपाल मगर संघ कैलालीके अध्यक्ष दलबहादुर घर्तीमगर जानकारी डेलै ।

उहाँ फागुन १५ गते ११ बजे धनगढीके चौराहा ओ गुरही चौकसे विविध मौलिक झाँकी सहित धनगढी परिक्रमा कैना बटैलै ।

दुपहर १२ बजे कार्यक्रम स्थल तारानगरके थारु देउथानमे सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाहसे कार्यक्रम उदघाटन हुइना जानकारी करैलै ।

नेपाल मगर संघ सुदूरपश्चिम प्रदेशके अध्यक्ष कमलबहादुर पुन मगर यी वर्ष स्थापना दिवस मगर समुदायके पहिचान ओ टमान मागसहित मनाई जैटी रहल बटैलै ।

उहाँ राज्यके हरेक निकायमे मगर समुदायके सामानुपातिक समावेशी प्रतिनिधित्वके ग्यारेन्टी, भाषिक समानता, सक्कु खाले विभेदके अन्त्यके लाग राज्यहे दवाव डेना उद्देश्यसहित स्थापना दिवस मनैना बटैलै ।

स्थापना दिवसके अवसरममे लिगलिगे दौड, नौमति बाजा, झाँक्री विधी, सारङगी हाता, मारुनी नाँच, भुमे नाँच, पैसरी नाँच, सोरठ्ठी नाँच, कौडा नाँच लगायतके सांस्कृतिक प्रस्तुती समेत रना जनैले बा ।

मगर समुदायसे यी दिनहे भौतिक भेषभुषा, भाषा, सामाजिक, सास्कृतिक, धार्मिक, शैक्षिक ओ आर्थिक पक्षमे समिक्षा, भेटघाट ओ एकताके रुपमे मन्टी आइल बा ।

इतिहासमे अपने अलगे रहल मगर समुदाय विगत चार शताब्दी आघेसे कथित आधुनिक नेपालके विस्तारपाछे राज्यके मुलधारसे विस्थापित हुइटी आइल बा ।

वि.स. १६१६ पाछेसे प्राकृतिक स्रोत, जल, जंगल, जमिन, खानी ओ व्यापारिक क्षेत्र उप्परके अधिकार ओ राज्यके प्रशासनिक, राजनितिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, भाषिक, शैक्षिक अधिकारसे बञ्चित करल संघके प्रदेश अध्यक्ष पुनमगर जनैलै ।

समतामुलक संरचनामे आधारित मगर समुदायके सामाजिक संरचना अतिक्रमित हुइल बा । नेपाल ओ नेपालीके मुक्ति ओ स्वतन्त्रताके लाग जहानिया राणा शासनके विरुद्धमे मोर्चा बन्दी, विद्रोह करके राणा शासक जंग बहादुर राणा विरुद्ध प्रथम सहिद विर योद्धा स्वर्गिय लखन थापामगरके अगुवाईमे हुइल रहे । *(बाँकी ३ पेजमे)*

हिलवर्ल्ड गुणस्तर जनशक्ति उत्पादनमे अग्रसर

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १० फागुन । कैलालीके धनगढी उपमहानगरपालिका वडा नम्बर १ मे रहल हिल वर्ल्ड इंगलिस बोर्डिङ हाई स्कूल गुणस्तरीय जनशक्ति उत्पादन कैनामे अग्रसर डेखल विद्यालय जनैले बा ।

विद्यालयके २०औं बार्षिकोत्सव तथा अभिभावक दिवसके पूर्व सन्ध्यमे शनिच्चरके रोज विद्यालयमे आयोजित पत्रकार सम्मेलनमे विद्यालयके प्रिन्सिपल डिआर शर्मा जानकारी डेलै ।

उहाँ कहलै, 'यी विद्यालयसे कक्षा ८ के जिल्लास्तरीय ओ एसइईके परीक्षामे उल्लेखनिय ओ प्रभावकारी नतिजा ल्यन्ना सफल हुइल बा । विद्यालयसे उत्पादित हुइल विद्यार्थी कैयौं डाक्टर, इन्जिनियर, सिए समके उत्पादन करके मुलुकहे आवाश्यक जनशक्ती पुगैलै बा ।'

प्रिन्सिपल शर्मा कहलै, 'मै उच्च शिक्षाके लाग भारतके टमान कलेज ओ यूनिभरसिटीमे अध्ययन करटी विगत लम्मा समय निजी विद्यालयमे शिक्षकके रुपमे प्रस्तुत हुके गुणस्तरीय शिक्षा ओ विद्यार्थी केन्द्रीत शिक्षा २१ औं सताब्दीके मागहे आवश्यकता ठानके विदेशमे जाके कुछ देशके शिक्षण सस्थाहे अवलोकन करके शिक्षणके टमान प्रविधि लागु करले बटु ।'

उ विद्यालय व्यवस्थापन समितिके अध्यक्ष भोजबहादुर बम २०६१ साल वैशाख २ गते हिल वर्ल्ड इङलिस वोर्डिङ हाई स्कुल, धनगढी १, कैलालीमे स्थापना हुइल बटैलै । स्थापना कालमे पहिल वर्ष ३५ जाने विद्यार्थीसे सुरु करल यी विद्यालयमे अब्बे ५५० जाने विद्यार्थी रहल उहाँ जनैलै । विद्यालयसेफे सुदूरपश्चिम प्रदेशके पहाडी जिल्लाके बालवालिकाहे निम्न शुल्कमे सन्तुलित भोजनके प्रवन्ध करके आवासमेफे ३५ जाने विद्यार्थी रहल अध्यक्ष बम बटैलै ।

ओस्टेक करके विद्यालयसे फागुन ११ गते विविध कार्यक्रमके आयोजना करके २०औं वार्षिकोत्सव तथा अभिभावक दिवस मनैना जनैले बा ।

जडीबुटी बेचके घर गुजारा

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १० फागुन । पिँठ ओ हाठमे झोला बावै ओ चाउरी परल मुहारमे कमाइके लालसा । कबु भुख्ले टे कबु प्यासे बाजुराके सरी भण्डारी धनगढी घुम्टी रहल कैयौ दिन होसेकल ।

स्वामीकार्तिक खापर गाउँपालिका-१ स्थित विकट मेला गाउँके ५० वर्षीय भण्डारी घुम्टी, कमाइ करक लाग तराई झरल हुइट । ओहकानसँग झोलाभर जडीबुटी बावै । बाजुराके हिमाली क्षेत्रमे पैना टमान मेरके जडीबुटी बिक्रीके लाग भण्डारी प्रदेश अस्थायी राजधानी धनगढी बैठल बाटै ।

"मोर गाउँ विकट ठाउँमे होरु। पानी नैपरल ओरसे खेतीपाती कुछ नै सँप्रल," भण्डारी कहलै, "मरुभूमि जस्टे गाउँके मै गुजारा करक लाग जडीबुटी लेके यहाँ आपुगल हुइटु ।" उहाँ विगत तीन बरससे पहाडके जडीबुटी तराईमे बिक्री कैना करटी आइल बटैलै । बाजुराके तल्कोटस्थित डाँडासे कालीगढसे निकारल जडीबुटी खरिद कैके अपने तराईमे बिक्री कैना करल भण्डारी बटैलै । "तीनचार महिनासम टोल, गाउँ घुम्टी जडीबुटीके व्यापार कैना करल बाटुँ," उहाँ कहलै, "इहीसे घरगृहस्थी चलैना ओ बच्चा पहैना सम्भव हुइल बा ।"

भण्डारीके डुई छाइ ओ तीन छावा सहित पाँच सन्तान बाटै । चार महिनासम जडीबुटीके व्यापार करेबर सक्कु खर्च कटाके ८०/९० हजार मुनाफा हुइना करल बा । तराईके टोल टोल घुमके करल कमाइसे बालबच्चा पहैना सम्भव हुइल उहाँके कहाइ रहल बा । "हमार १ नम्बर वडा सबसे विकट हो । एक प्याकेट नोन सय रुपियाँमे किनके खाइ परठ," भण्डारी कहलै , "गुजाराके औरे कुछ उपाय नैहो । इहे काम रोजगैल ।" उहाँ यार्चागुम्बा, जेठीमधु, शिलाजित, सतुवा, गानान्नो, रगत चाल्नो जैसिन जडीबुटी झोलामे बोकके घुम्टी बेच्टी आइल बाटै । हातगोराके जोर्नी बठैना, कर्हिउ बठैना, ग्यास्टिकलगायतके समस्या ठिक कैना जडीबुटी अपने घुम्टी बिक्री कैना करल भण्डारी बटैलै ।

सुदूरपश्चिम प्रदेशके नागरिक गुजाराके लाग भारतमे कमाइ जैना क्रम बह्रल बा । अझ बाजुरालगायत पहाडी जिल्लामे ट झन् गाउँ नै सुनसान बनाके मनै भारत पलायन हुइना करल बाटै । कुछ बरस आघेसम भण्डारीके नियति फेन उहे रहे ।

१२ बरसके उमेरमे भारतके उत्तराञ्चलमे मजदुरी करे गैल उहाँ १८ बरस उहाँरो बिटैलै । ढुंगा फुटैना मजदुर हुइटी ठेकेदारीसमेत करल भण्डारी भारतमे कमाइल धन घरी घरी लुट्वापाइलपाछे स्वदेश फर्कल जानकारी डेलै । "कमाइल पैसा तीनचारचो लुटलेलै । ठेकेदारी करेबर पैसा मिलल् । २० लाख रुपियाँ भारु ठग्वा पैनु," उहाँ कहलै, "दुःख कैके कमाइल सम्पत्ति लुट्वा पैना, ठग्वा पैना घटनासे फेनसे स्वदेशमे फर्काइल । आब मै यहैं कमाके गुजारा कैटी बाटुँ ।"

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग
उपचार हुने रोगहरू
- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार
ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म
धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.
(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
कानूनी सल्लाहकार : अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

वृक्ष आयुर्वेद सान्दर्भिकता ओ महत्व

विचार
डा. प्रतिमा पौडेल

आयुर्वेदके मुख्य उद्देश्य स्वस्थ व्यक्तिके स्वास्थ्यके संरक्षण करना तथा अस्वस्थके उचित उपचार करना हो। यी उद्देश्य प्राप्तिके लाग स्वास्थ्यकर आहार तथा उचित विहार अपरिहार्य बा। स्वस्थकर आहारके प्राप्तिके लाग ओकर स्रोत खाद्यान्न स्वस्थ विधिसे उत्पादन हुइ परठ। खाद्यान्नके उत्पादनमे हानिकारक रासायनिक मल, कीटनाशक, आदिके प्रयोगसे कृषकके स्वास्थ्यमे सिधा असर करनाके साथे उपभोक्ताके स्वास्थ्यमे तथा पर्यावरणके स्वास्थ्यमे फेन असर करठ। रासायनिक प्रदूषित माटिसे जमिनटरेक पानीके स्रोत प्रदूषित हुइठ ओ उहिनसे भारी जनसंख्याके स्वास्थ्यमे समस्या उत्पन्न कराइ सेक्जाइ। टबेमारे कृषि ओ स्वास्थ्य एकऔरेसँग गहिर सम्बन्ध रहठ। कौनो फेन राज्यसे स्वास्थ्यसँग सम्बन्धित नीति बनाके वा कृषिसम्बन्धी नीति बनाके कृषिमे वृक्ष आयुर्वेदके विषय उल्लेख करना आवश्यक डेखाइठ। साथे यी विषयमे और ढेर ज्ञानके विकास ओ विस्तारके लाग पाण्डुलिपिके अध्ययन-अनुसन्धान, वहाँ बताइलके विधिमे प्रयोगात्मक अनुसन्धान फेन महत्वपूर्ण बा। वृक्ष आयुर्वेदके विधि प्राकृतिक ओ पूर्णरूपमे सुरक्षित हुइनाके साथे न्यून आर्थिक लगानी लग्ना मेरिक बा। यिहिदसे राज्य वा व्यक्ति विशेषहे कौनो हानि नाहोए फाइदा किल हुइ सेकि। वृक्ष आयुर्वेद विश्व स्वास्थ्य संगठनके खाद्य सुरक्षा विषयके लाग नयाँ आयाम नन्ना सफल हुइ सेकि कलेसे नैसरना रोग, प्रतिजैविक प्रतिरोध जैसिन स्वास्थ्यके संकटके रोकथाम तथा नियन्त्रणके लाग फेन एकडम उपयोगी रहे सेकि। आबके दिनमे सबके लाग स्वास्थ्य सफल बनैना स्वास्थ्य क्षेत्रमे किल नैहोके कृषिमे फेन एकीकृत प्रणाली अपरिहार्य डेखाइठ।

आयुर्वेद आयुके बारेमे अध्ययन करना विज्ञान हो। आयु केवल मानवके नैहोके सक्कु प्राणी किल रहठ। आयुर्वेदसे समाज बिस्रैटि गैल वृक्ष एवं पर्यावरण स्वास्थ्यके विषयहे फेन समोटल बा। यिहिनहे समाजमे आधुनिकीकरणके लहर अइनापूर्व 'वृक्ष आयुर्वेद' विधाके रूपमे विकास करल रहे। उ समयमे केवल मानव ओ बोटबिरुवाके लाग किल नैहोके पशुके लाग मृग आयुर्वेद, हस्ति आयुर्वेद, अश्व आयुर्वेद जैसिन विधा फेन एकडम विकसित रहैं। काल खण्डमे पूर्वीय सभ्यता तथा नेपाल-भारतलगायतके देशमे पश्चिमा ओ मुगलके प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष आक्रमणसँगे टमान कृतिके विनाश हुइल। नतिजा स्वरूप आयुर्वेद मानवके चिकित्सा पद्धतिके रूपमे किल अपन अस्तित्व बचैना सफल हुइल। वृक्ष आयुर्वेद, पन्छी आयुर्वेद ओ पशु आयुर्वेद इतिहासके रूपमे रहना बाध्य हुइल।

मानव स्वास्थ्यके लाग पर्यावरण स्वस्थ रहना अपरिहार्य बा। हमार खानाके स्रोत बोटबिरुवा ओ पशुपन्छी हो। बोटबिरुवा तथा पशुपन्छीके स्वास्थ्यसे हमार स्वास्थ्यमे सिधा असर परना अकाट्य बा। आजके दिनमे टमान रोगके विकास होके मानव जीवनहे त्रासमय बनैनामे टमान हदसम पर्यावरण, बोटबिरुवा तथा पशुपन्छीके स्वास्थ्यप्रतिके हेलचेक्याइँ जिम्मेवार बा। विश्व स्वास्थ्य संगठनसे 'सबके लाग स्वास्थ्य' कहलमे सबमे स्वास्थ्य सेवाके पहुँच पुगैनासँगे उप्परके हेलचेक्याइँ फेन सच्यइना जरुरी बा। टमान स्वास्थ्य संगठनसे करल अनुमान अनुसार नैसरना रोग एवं प्रतिजैविक प्रतिरोध आबके भारी महामारीके रूपमे बह्दल बा।

खाद्यवस्तु, कृषि तथा पशुपालनमे प्रयोग हुइना औषधि तथा रसायनके नियन्त्रण मजासँग हुइ नैसेक्ना, बजारके नियमन मजासँग नैहुइना ओ सहरीकरणके चर्को वृद्धिसे मानवीय स्वास्थ्य संकट और बहैल अवस्था बा। आज विश्वमे बर्सेनि नौ लाख व्यक्ति नैसरना रोगके कारण मरना करठैं। यकर नियन्त्रणके लाग विश्व स्वास्थ्य संगठनसे खाद्य प्रणालीहे स्वस्थ ढरना फेन एक महत्वपूर्ण नीतिके रूपमे स्थापित करल बा। बह्दल जनसंख्या, सहरीकरण ओ आधुनिकीकरणके माग पूरा करना आज खाद्यान्न तथा खाद्य उत्पादकसे अत्यधिक रूपमे हानिकारक रासायनिक मल, कीटनाशक औषधि, सुई लगाके डेना रसायन आदिके प्रयोग करटि बा। बजारमे अर्गानिक कहिके बेचना खाद्यवस्तुके फेन सच्मे कत्रा सुरक्षित बा कना बाटके कौनो प्रमाण नैहो। अस्टेक अर्गानिक कहल खाद्यवस्तुके मूल्य तुलनात्मक रूपमे एकडम ढेर रहल ओरसे अधिकतर जनसंख्या असुरक्षित, अस्वस्थकर खाद्यवस्तु किनके उपभोग करनामे बाध्य बटैं।

नैसरना रोग किल नैहोके सरुवा रोगके लाग प्रयोग करना एन्टिबायोटिकके अवैधानिक रूपमे कृषि तथा पशु उद्योगमे हुइना प्रयोगके कारण विश्वमे भित्रेभित्रे जर गारल औरे भयावह अवस्था 'प्रतिजैविक प्रतिरोध' हो। वैज्ञानिक प्रतिजैविक प्रतिरोधहे निकट भविष्यके धारी स्वास्थ्य संकटके रूपमे मन्ठैं। स्वास्थ्य क्षेत्रमे वरदानके रूपमे आविष्कार करल एन्टिबायोटिकके अत्यधिक तथा अनियन्त्रित प्रयोग 'अश्वत्थामाके हातमे ब्रह्मास्त्र' जस्टे साबित हुइल बा। वैज्ञानिकहुकनके अनुमान यदि सत्यमे परिणत हुइ कलेसे उ मानव पशु प्राणी जीवनके लाग प्रलय सरह विनाशकारी रहे सेकि।

उप्परके स्वास्थ्य समस्याके समाधान वा रोकथाम असम्भव भर नैहो। संसारमे जीवके उत्पत्तिसँगे रोग विकारके फेन उत्पत्ति हुइल रहे। परापूर्वकालसे आयुर्वेद एवं प्रकृतिमे प्राप्त स्रोतसे चिकित्सा हमार परम्परामे रहल रहे। कृषि क्षेत्रमे रासायनिक मलके विकास २० औं शताब्दीके मध्यसे हुइल डेखाइठ। रासायनिक मलके खोज ओ उपलब्धि उ समयमे कौनो कौनो ठाउँमे हुइल खाद्य संकट तथा भोकमरी नियन्त्रणके लाग करल रहे। व्यापारिक फाइदाके लाग करल ओकर अनियन्त्रित तथा अत्यधिक प्रयोगसे पर्यावरण ओ मानव स्वास्थ्य दुनुमे नकारात्मक असर परल बा। फलस्वरूप आज कृषि उत्पादन टे हुइ मने खाद्यवस्तुमे शरीरहे आवश्यक पोषणके कमीसे कुपोषण हुइना तथा हानिकारक रसायनके अवशेषके कारण क्यान्सरलगायतके नैसरना रोग बह्दल डेखाइठ।

यकर समाधानके लाग आब फेन पाछे जाइपरना आवश्यक बा। 'वृक्ष आयुर्वेद' सुरपाल नामके आयुर्वेद चिकित्सकसे इसं १००० मे लेखल एक पुस्तक होह जेम्ने कृषि उत्पादन, खाद्य बालीके विकास तथा बोटबिरुवामे लग्ना रोग नियन्त्रण ओ उपचारके बारेमे लेखल बा। आयुर्वेदके मुख्य ग्रन्थमे टमान प्रसंगमे वृक्ष आयुर्वेदके पुस्तक तथा लेखकके नाम उल्लिखित पाजाइठ। कालखण्डमे कत्रा पुस्तक पाण्डुलिपि संरक्षणके अभावसे नष्ट होके, कत्रा पुस्तक तक्षशिला नलन्के विश्वविद्यालयमे करल आक्रमणामे नष्ट करागिल। अभिन फेन कुछ वृक्ष आयुर्वेद ओ सम्बन्धित विधाके पुस्तक उपलब्ध बा। उमध्ये कौनो संहिताकाल (२ से ६ शताब्दी) हो कलेसे कौनो कुछ पाछेक। कुछ पुस्तक अभिन फेन कौनो पुस्तकालय, पुरातत्व विभाग वा व्यक्तिगत संकलनके रूपमे रहल ओरसे सर्वसुलभ पहुँचमे आइ सेकल नैहो। आजके मितिमे उपलब्ध पुस्तकमे शालिहोत्रसे (इपू, ४००) लिखित 'वृक्ष आयुर्वेद' वराहमिहिरसे (इसं ५०५-५८१) लिखित 'बृहत् संहिता' सुरपालसे (इसं १०००) लिखित 'वृक्ष आयुर्वेद' शारंगधरसे (१३ औं शताब्दी) लिखित 'उपवन विनोद' भावप्रकाशसे (१६ औं शताब्दी) लिखित 'भावप्रकाश निघण्टु' आदि परठ।

मुख्यत: वृक्ष आयुर्वेदका ग्रन्थमे भूमि निरूपण (खेतीयोग्य जमिनके छनोट विधि कौन बाली कैसिन माटिमे लगैना), पादप विवेचना विस्तार (बोटबिरुवाके प्रकार-लता, क्षुप, गुल्म, वनस्पति ओ ओकर विस्तार: लगैना उमार्ने तरिका) बीजोप्ति (बिउ बीजके संरक्षण ओ उत्पादन उब्जनी विकास), रोपण विधान (बिउबिरुवा लगैना विधि), निषेचन विधि, पोषण विधि, द्रुमरक्षा (कठोर वातावरणीय अवस्थामे बोटबिरुवा जोगैना विधि), तरु चिकित्सा (बोटबिरुवाहे लग्ना रोग ओ उपचार), उपवन क्रिया (उद्यानके विकास), निवास आसन्न तरु (घरकेलग्गे लगैना उपयुक्त वृक्ष), शुभअशुभ लक्षण (स्वस्थअस्वस्थ बोटबिरुवाके लक्षण), तरु महिमे (बोटबिरुवा वृक्षके महत्व) ओ चित्रीकरण (वर्षभर फलफूल लगैना उपाय), आदि विषयके वर्णन पाजाइठ।

उदाहरणके लाग: बिउ लगैनापूर्व माटिमे पञ्चगव्य (गाईके दुध, दही, घिउ, गौत ओ गोबर) छिट्ना अथवा गोमूत्र छर्कना करलेसे उ बिउ मजासँग जामठ। (यम्ने कोमल का बजाज-२०२२ मे शोध फेन प्रकाशित करल बा, जेम्ने बिउके पोषणके लाग यी विधि युरिया मलसे ढेर प्रभावकारी पाइल रहे।) अस्टेक खेतीमे किरा लागलमे बोझ, तोरी, बाय बिडङ, हिङ, आदिके धुवाँ डेलेसे किरा मरठै कहल बा। हाँगा सरना बोटबिरुवामे हलि जर पलाइक लाग काटेके हाँगाहे मह, गोबर आदिके लेपके प्रयोग करे सेक्जाइठ। आयुर्वेदके सिद्धान्त मानव, वृक्ष तथा पशु सबमे बराबर उपयोगी रहठ।

आयुर्वेदीय द्रव्य: जडीबुटी तथा खनिजमे मिल्ना तत्वसे बोटबिरुवा, पशु तथा मनै सबमे अपन गुणअनुरूप काम करठैं। ओहे सिद्धान्तअनुरूप कौनो चोटपटक लागमे भर्खर टुटल वृक्षके हाँगाहे मानवमे हड्डी टुटलमे प्रयोग करना लेपह मह, जेठीमधु, अस्थिसंहारी, हाडजोड, आदि लगाके अँडके, साल आदिके पातसे बाँधे सेक्जाइठ। रासायनिक मल ओ कीटनाशक बजारमे छ्यापछ्याप्ती मिल्नापूर्व अइसिन टमान विधि प्रयोगमे रहे। कुछ भन्झटहा रलेसे फेन प्रभावकारी ओ कौनो दुष्प्रभाव रहित रहे। उ विधिके पुनर्प्रयोग सरकारके ओ अन्य निकायके प्राकृतिक मल, कम्पोस्ट मल, प्राकृतिक कीटनाशक, आदिके प्रवर्धनमे आब रलेसे फेन इच्छा ओ प्रयास हुइ कलेसे हानिकारक रासायनिक मल ओ कीटनाशकके प्रयोग कम रहे सेकि। ओइसिन करलेसे पर्यावरणके स्वास्थ्यमे टेवा पुग्नाके साथे माटिक गुणस्तर वृद्धि, सही अर्थमे अर्गानिक उत्पादन तुलनात्मक रूपमे कम मूल्यमे प्राप्त हुइठ ओ नैसरना रोग, कुपोषण आदि कम हुइठ। (बाँकी ३ पेजमे)

भिरसे गिरके एघारके मृत्यु

बैतडी, ११ फागुन। घाँस कट्ना क्रममे भिरसे गिरके फागुन ४ गते सुर्नया गाउँपालिका-४, डबराली टाँकके २३ वर्षीय दीपा बोहोरा महराके मृत्यु हुइल रहे।

उ दिन दिनके २ बजे उहे वडाके जयसिंया घाँस कट्ना क्रममे भिरसे गिरके स्थानीय केशवसिंह महराके गोसिनीया दीपाके घटनास्थलमे मृत्यु हुइल हो। मृतकके आफन्त एवं गाउँपालिकाके स्वास्थ्य शाखा प्रमुख रामसिंह महराके अनुसार जया घाँस कट्ना क्रममे तीन सय मिटर टरे गिरल रही। महराके गोसिया केशव रोजगारीके सिलसिलामे भारतमे बाटै कलेसे घरमे आठ महिनाके छावा रहल बाटै।

गैल बिफेक रोज जिल्लाके पाटन नगरपालिका-८ स्थित आरुबाटा भिरमे बेवारिसे अवस्थामे अन्दाजी ४० वर्षीय एक पुरुषके शव फेला परल रहे। विद्यार्थी भिरमे डेखलपाछे प्रहरीहे खबर करल ओ उ शवके पहिचान अब्बेसम खुले सेकल नैहो। पैदल नेंगना क्रममे गिरके मृत्यु हुइ हुइ सेक्ना स्थानीयके अनुमान रहल बा। बैतडीमे घाँसदाउरा काटे गैल, डगरा नेंगेबर भिरसे गिरके अकालमे ज्यान गुमुइया ओ घाइते हुउइयाके संख्या ढेर रहल बा। चालु आर्थिक बरसमे भिरसे गिरके मृत्यु हुइल ११ घटना प्रहरी कहाँ पुगल बावै। इ बाहेक ढेर संख्या प्रहरीमे नैपुग्ना करल अनुमान करल बा।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय बैतडीके अनुसार आव २०८१/८२ मे किल भिरसे गिरके ११ जनहनके मृत्यु हुइल बा। चालु आवमे प्रहरीमे खबर पुगल किल ११ जनहनके भिरसे गिरके तथा एक जाने रुख्वामसे गिरके ज्यान गैल जिल्ला प्रहरी कार्यालय बैतडीके प्रहरी निरीक्षक बलराम पाण्डे बटैलै।

पुर्चौंडी नगरपालिकामे एक महिला, सिगास गाउँपालिकामे एक पुरुष, दोगडाकेदार गाउँपालिकामे एक महिला, डिलासैनी गाउँपालिकामे एक महिला, पाटन नगरपालिकामे एक महिला, दशरथचन्द नगरपालिकामे डुई पुरुष, मेलौली नगरपालिकामे एक पुरुष, पन्चेश्वर गाउँपालिकामे एक पुरुष ओ सुर्नया गाउँपालिकामे डुई महिला सहित सात महिला ओ चार पुरुषके मृत्यु हुइल बा।

ओस्टके शिवनाथमे रुख्वमसे गिरके एक महिलाके मृत्यु हुइल प्रहरी निरीक्षक पाण्डे बटैलै। "महिलाके घाँस कट्ना बेला गिरके मृत्यु हुइल डेखजाइठ। पुरुषके भारी बोक्टी रहल ओ डगरा नेंग्टी रहल बेला भिरसे गिरके मृत्यु हुइल पाइल बा," उहाँ कहलै, "अइसीक घटना प्राय: हुइटी रहलेसे फेन प्रहरीकहाँ सक्कु नैआइठ।"

खडेरीके मारमे हिउँदे बाली

कालीकोट, १० फागुन। हिउँदमे पानी नैपरल कारणसे हिउँदे बाली पूरे प्रभावित हुइल बा।

कालीकोटके प्राय: खेती हुइना क्षेत्रमे सिँचाइके व्यवस्था नैहो। सिँचाइ अभावके कारण यहाँक हिउँदे खेती सुखे लागल बा। माघके अन्तिमसम पानी परि कना प्रतीक्षामे रहल किसान फागुनके पहिल सातासम फेन पानी नैपरके आब भर पानी परना सम्भावना नैहुइल कटि निराश हुइल बटैं।

आकासे पानीके भरमे रहल जिल्लाके पलाँता गाउँपालिका, पचालझरना गाउँपालिकाभित्तरके सब खेतपाखा अभिनसम बाँझ बा। पानी नैपरल कारणसे गहुँ बोइ सेकल नैहुइटैं। कम सिँचाइ पुगल क्षेत्रमे बोइल गहुँ फेन सुखे लागल बा।

पलाँता गाउँपालिका-७ के लंकबहादुर बम लगातार दुई वर्ष पलाँता क्षेत्र खडेरीके मारमे परल बटैलैं। उहाँ गैल वर्ष फेन अइसिन हुइल कटि दुनु वर्ष खडेरीसे किसान चिन्तामे रहल सुनैलैं। गैल वर्ष सिँचाइ कैके बह्दल गहुँ बालीपाछे पानीके मुहान सुख्के सिँचाइ करे नैपाके बोटमे सुखल बा।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा।

नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा। समयमे सक्कु सिकार विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सञ्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा। विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो। अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्थि। अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो। आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि। पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ। *-सम्पादक*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ। सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एम्बुलेन्स नम्बर
९८३४६८९६१७, ९८४८३७०१८, ९८१४६०८०४६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०३८४
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ४२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२१११४०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-४२१२९९,११०
ईप्रका अतरीया ०९१-४४०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-४२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२११४३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०३०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२४०१
ईप्रका लक्की ०९१-४४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-४८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-४२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-४४०१२२
ईप्रका फल्दुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-४२९१४४
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०४
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-४२९३०६
ईप्रका टीकापुर०९१-४६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ४२६९२८
बैंक
नेपाल राष्ट्र बैंक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैंक ०९१-४२३६४३
कृषि विकास बैंक ०९१-४२९२३४
मालिका विकास बैंक०९१-४२३७३८
बैंक अफ काठमाण्डौ ०९१-४२३३८६
बैंक अफ एसिया ०९१-४२४६४०
नेपाल बंग्लादेश बैंक ०९१-४२१७८४
सिटिजन बैंक ०९१-४२७४८४
कुमारी बैंक ०९१-४२६०३८
सनराईज बैंक ०९१-४२४८४०
नेपाल इन्भेसमेन्ट बैंक०९१-४२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-४२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-४२११०१
जिल्ला विकास .०९१-४३२४६०
नगरपालीका .०९१-४२१४२९
मालपोत.०९१-४२१२०१, नापी शाखा.०९१-४६०४०२
कृषि विकास .०९१-४२२२४४, भूमि सुधार.०९१-४२१२३४
जिल्ला हुलाक.०९१-४२११४२, नेपाल बाल संगठन: ४२३६६४
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-४२१२७१
नवजिवन ०९१- ४२१२३३/४२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-४२३४३४
पद्मा धनगढी ०९१-४४०३४४
सेवा नर्सिङ होम अतरीया ०९१-४४०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-४६०१४०
द्दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-४२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ४२१२३७, ४२३९७१
एम्बुलेन्स : ४२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८४४७४४०
विद्युत : ४२११४४
दिनेश मेटल ०९१-४२१३९२
होटल
डिभोटी ०९१-४२३९१८/४२४९३१
जगदम्बा०९१-४२३४९०, विद्या०९१-४२३२७३
तरुण ०९१-४२४६९३, सनलाईट०९१-४२१४३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :४२०१४१
ज्ञानुप्लाजा०९१-४२२८३०/४२७९९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :४२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-४२३९९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ४२४१९४
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ४२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-४२१२४२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-४२६७०१

गौरीगंगा फुटवल प्रतियोगिताके सेमीफाईनल समीकरण पुरा

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १० फागुन । कैलालीके मध्यवर्ती क्षेत्र गौरीगंगामे हुइटी रहल जयपृथ्वीबहादुर सिंह गौरीगंगा राष्ट्रिय फुटवल प्रतियोगिताके सेमीफाईनल समिकरण पुरा हुइल बा ।

गौरीगंगा–११ स्पोर्टस क्लवके आयोजना ओ सुदूरपश्चिम खेलकुद परिषद्के तत्वाधानमे हुइटी रहल जयपृथ्वीबहादुर सिंह गौरीगंगा राष्ट्रिय फुटवल प्रतियोगिताके चौठा दिन हुइना खेलमे कोसी प्रदेशसे अनुपस्थित जनाइलपाछे लुम्बीनी प्रदेश सिधा अन्तिम चारमे पुगल हो । कोशी प्रदेशके लिग विजेता बनल ओ प्रेसिडेन्ट कपम सहभागिता जनैना हुइल ओरसे कोशी प्रदेशके गाईघाट फुटबल क्लवसे अनुपस्थित हुइन पत्राचार करलपाछे लुम्बीनी सिंधां सेमीफाईनल पुगल हा । यी संगे सेमीफाईनल समिकरण फे पुरा हुइल बा । लुम्बीनी प्रदेशके राईजिङ स्टार क्लवसे अब फाईनल प्रवेशके लाग बागमति प्रदेशके लक्की स्टार क्लवसंग प्रतिस्पर्धा करी । दुसर सेमीफाईनलमे कर्णाली प्रदेश ओ सुदुरपश्चिम प्रदेश प्रतिस्पर्धा करी ।

प्रतियोगिताके विजेता ५ लाख नगद सहित ट्रफी पैही कलेसे उपविजेता दुई लाख पचास हजार नगद सहित ट्रफी मेडल पैही । प्रतियोगिताके सर्वोत्कृष्ट खेलाडी पचास हजार, उत्कृष्ट गोलरक्षक १५ हजार, उत्कृष्टरक्षक १५ हजार, उत्कृष्ट फरवार्ड १५ हजार, सर्वाधिक गोलकर्ता १५ हजार, उदयमान खेलाडी १५ हजार, फेयर प्ले टिमहे १५ हजार पुरस्कार डेना बा । प्रत्येक खेलके म्यान अफ द म्याचसे नगद पाँच हजार सहित ट्रफी डेना आयोजक जनैले बा । प्रतियोगितामे ७ ठो प्रदेशके टीमके सहभागिता रना बा । प्रदेश फुटवल संघके सहकार्यमे प्रदेशके टीम अथवा प्रदेशके क्लवके सहभागीता प्रतियोगितामे रना बा । प्रतियोगिता फागुन १४ गतेसम सञ्चालन हुइना बा ।

समृद्धिके आधार फुटवलके पूर्वाधार कना मूल नाराके साथ सुदूरपश्चिम प्रदेशके राष्ट्रिय विभूतिके नाममे प्रतियोगिता सञ्चालन करटी रहल आयोजक गौरीगंगा–११ स्पोर्टस क्लबके अध्यक्ष दिनेश कलेल जानकारी डेलै । गौरीगंगा–११ क्लवसे आयोजना करल यी प्रतियोगिताके पाँचौं संस्करण हो ।

मगर समुदायके पहिचान...

वि.स. १९३३ साल फागुन २ गते गोरखा जिल्ला काहुलेभंगारमे शासक जंग बहादुर राणाके गुलामीहुके उहाँक हत्या करल रहिट ।

नेपालके जनगणना २०७८ अनुसार नेपालके कुल जनसंख्या २ करोड ९१ लाख ९२ हजार ४८० मध्ये मगर समुदाय केल २० लाख १३ हजार ४९८ अर्थात ६.९ प्रतिशत रहल विल्गाइठ । मगर जातिके सुदुरपश्चिम प्रदेशमे ५२ हजार ७९७ अर्थात २.६ प्रतिशत जनसंख्या रहल संघ जनैले बा ।

जिल्लागत अनुसार कैलालीमे ११ हजार २४०, डोटीमे ७ हजार २७५, कञ्चनपुरमे ६ हजार ९६४, डडेल्धुरामे २ हजार १५३, बाजुरा ५७, बझाङमे ७१, अछाममे १ हजार ६८१, दार्चुलामे २३० ओ बैतडीमे १२६ रहल तथ्याङक डेखैले बा ।

नेपाल मगर संघ कैलाली मगर समुदायके भेषभुषा, भाषिक, सांस्कृतिक, समाजिक, आार्थिक, शैक्षिक रुपसे सचेतना करैटी विकृतिहे हटैटी समृद्ध मगर समाज निर्माणके लाग दस्तावेजीकरण करैटी टमान कार्यक्रम करटी आइल बा ।

फागुन १५ गते मगर स्थापना दिवस, माघी मिलन, पुष पन्ध्र, भुमे पर्व, प्रथम शहिद लखन स्मृति दिवसलगाएत टमान जनचेतनाके कार्यक्रम करटी आइल संघ जनैले बा ।

अन्तर्राष्ट्रिय

एपीसे ट्रम्प प्रशासनके तीन अधिकारीविरुद्ध मुद्दा दायर

काठमाडौं, १० फागुन । अमेरिकी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) राष्ट्रपति ट्रम्प प्रशासनके तीन जाने अधिकारीविरुद्ध शुकके रोज राष्ट्रपतिके कार्यक्रममे पहुँच नैरहल कटि मुद्दा दायर करल बा । मुद्दाबारे ह्वाइट हाउसके प्रेस सेक्रेटरी कलैं, "हम्रे यिहिनहे अदालतमे हेरब ।

ह्वाइट हाउससे समाचार एजेन्सीके पहुँचमे प्रतिबन्ध लगाइ लागलके १० दिनपाछे शुकके अपरान्ह वासिङ्टन डिसीस्थित अमेरिकी जिल्ला अदालतमे मुद्दा दायर करल हो । ट्रम्पसे मनोनीत करल अमेरिकी जिल्ला न्यायाधीश ट्रेभर म्याकफेडेनहे यी मुद्दा हेरना जिम्मेवारी डेहल बा ।

एपी अपन मुद्दा ह्वाइट हाउससे भाषण नियन्त्रण करना करल असंवैधानिक प्रयासके बारेमे रहल बटैले बा ।

ह्वाइट हाउसके चिफ अफ स्टाफ सुसन विल्स, डेपुटी चिफ अफ स्टाफ टेलर बुडोविच ओ प्रेस सेक्रेटरी कारोलिन लेभिटविरुद्ध दायर करल मुद्दामे एपी कले बा, "प्रेस ओ संयुक्त राज्य अमेरिकाके सब मनैन्हे अपन शब्द छनोट करना अधिकार बा ओ सरकारसे प्रतिशोध नालेहे ।

गैल महिना एपी एक 'स्टाइल नोट'मे 'मेक्सिकोके खाडीसे ४०० वर्षसे ढेर समयसे यी नाम बोकल' उल्लेख करले रहे । यकर प्रतिक्रियामे आइल राष्ट्रपति ट्रम्पके कार्यकारी आदेशमे 'संयुक्त राज्य अमेरिकाभित्तर किल यी अधिकार बोकल' उल्लेख करल रहे ।

एपी कले बा, "एपीके सम्पादकीय स्वतन्त्रता ओ समाचार संकलन करना ओ रिपोर्ट करना क्षमताउप्पर लक्षित आक्रमण पहिल संशोधनके मूल मर्ममे प्रहार करल बा ।

एपी कले बा, "अदालतसे तत्काल यकर उपचार करेपरठ । संविधानके पहिल संशोधनसे प्रेस, वाक ओ धार्मिक स्वतन्त्रताके प्रत्याभूति करल बा ओ सरकारहे उमध्ये कौनो फेन अवरोध करनासे रोकठ ।"

ह्वाइट हाउससे कन्जर्भेटिभ पोलिटिकल एक्सन कन्फरेन्समे उपस्थित हुइना क्रममे शुकके रोज अपन मुद्दाबारे थाहा पैना लिभिट बटैलैं ।

विरेन्द्र सामुदायिक वनके आठौं वार्षिक साधारण

पहुरा समाचारदाता

पहलमानपुर, १० फागुन । कैलाली जिल्लाके घोडाघोडी नगरपालिका–१० थेवैमे रहल विरेन्द्र सामुदायिक वन उपभोक्ता समुहके आठौं वार्षिकोत्सव तथा सार्वजनिक सुनुवाई निम्जल बा ।

समूहके अध्यक्ष सुरेशकुमार कठायतके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रममे सिएफसीसी पहलमानपुरके अध्यक्ष पुष्कल बहादुर बम वर्का पहुना रहल रहिट । उहाँ समितिहे दिगो बनैटी प्रणाली अनुसार जाई पर्ना बटैलै ।

विशिष्ट पहुना सव डिभिजन वन कार्यालय सुखडके वन रक्षक डवलबहादुर साउद वन समितिसे नियम पालन करेवेर हुईबेर कमि कम्जोरीमे साथ डेना बटैलै ।

घोडाघोडी–१० के वडा सदस्य रोहित वम वडामे रहल बजेट पुगटसम सामुदायिक वनमे लगैना बटैलै ।

कार्यक्रममे तुल्सीपुर सामुदायिक वनके सचिव निरक बहादुर वम शुभकामना मन्तव्य व्यक्त करल रहिट । स्वागत मन्तव्य समुहके सचिव धर्म नन्द जोशी, लेखा समिति सयोंजक नरबहादुर देउवा १७ लाख ६३ हजार ७ सय ८२ रुपिया ७९ पैसा बराबरके आय व्यय प्रस्तुतीकरण करल रहिट । संचालन उपभोक्ता दिपक वम करल रहिट ।

वृक्ष आयुर्वेद...

आयुर्वेदके मुख्य उद्देश्य स्वस्थ व्यक्तिके स्वास्थ्यके संरक्षण करना तथा अस्वस्थके उचित उपचार करना हो । यी उद्देश्य प्राप्तिके लाग स्वास्थ्यकर आहार तथा उचित विहार अपरिहार्य बा । स्वस्थकर आहारके प्राप्तिके लाग ओकर स्रोत खाद्यान्न स्वस्थ विधिसे उत्पादन हुइ परठ । खाद्यान्नके उत्पादनमे हानिकारक रासायनिक मल, कीटनाशक, आदिके प्रयोगसे कृषकके स्वास्थ्यमे सिधा असर करनाके साथे उपभोक्ताके स्वास्थ्यमे तथा पर्यावरणके स्वास्थ्यमे फेन असर करठ । रासायनिक प्रदूषित माटिसे जमिनटरेक पानीके स्रोत प्रदूषित हुइठ ओ उहिनसे भारी जनसंख्याके स्वास्थ्यमे समस्या उत्पन्न कराइ सेक्जाइ । टबेमारे कृषि ओ स्वास्थ्य एकऔरेसँग गहिर सम्बन्ध रहठ । कौनो फेन राज्यसे स्वास्थ्यसँग सम्बन्धित नीति बनाके वा कृषिसम्बन्धी नीति बनाके कृषिमे वृक्ष आयुर्वेदके विषय उल्लेख करना आवश्यक डेखाइठ । साथे यी विषयमे और ढेर ज्ञानके विकास ओ विस्तारके लाग पाण्डुलिपिके अध्ययन–अनुसन्धान, वहाँ बताइलके विधिमे प्रयोगात्मक अनुसन्धान फेन महत्वपूर्ण बा ।

वृक्ष आयुर्वेदके विधि प्राकृतिक ओ पूर्णरूपमे सुरक्षित हुइनाके साथे न्यून आर्थिक लगानी लग्ना मेरिक बा । यिहिदसे राज्य वा व्यक्ति विशेषहे कौनो हानि नाहोए फाइदा किल हुइ सेकि । वृक्ष आयुर्वेद विश्व स्वास्थ्य संगठनके खाद्य सुरक्षा विषयके लाग नयाँ आयाम नन्ना सफल हुइ सेकि कलेसे नैसरना रोग, प्रतिजैविक प्रतिरोध जैसिन स्वास्थ्यके संकटके रोकथाम तथा नियन्त्रणके लाग फेन एकडम उपयोगी रहे सेकि । आबके दिनमे सबके लाग स्वास्थ्य सफल बनैना स्वास्थ्य क्षेत्रमे किल नैहोके कृषिमे फेन एकीकृत प्रणाली अपरिहार्य डेखाइठ ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि–कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन

धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

चौधरी फेसन टेलर्समे विशेष छुट

हमार यहाँ जौनफे मेरिक कोटपाईन्ट, सर्ट, आसकोट, दाउरा सुरुवाल, जुहारी कोट, टाई, टोपी पैनाके साथे स्कुल ड्रेस, क्याम्पस ड्रेस, निजामती कर्मचारीके ड्रेस तथा थान कपडा सुपथ मोलमे विक्री कैनाके साथे सिलाई फे करजाइठ ।

रेडिमेट कोटपाईन्ट तथा क्याम्पस ड्रेस कोटपाईन्ट मात्र रु. ३८५०।- मे

प्रो. विष्णु चौधरी (९८४८४७१३४३)

चौधरी फेसन टेलर्स

धनगढी–१, बुद्धमार्ग, कैलाली (जिप्रका पुल नजिक)

हमार नयाँ शाखा धनगढी-७, मोतीचोकमे खुलल सहर्ष जानकारी कराइटि ।

नोट : हमार यहाँ इण्डियाबरेलीके दक्ष कलीगढहुकनसे कोटपाईन्ट सुपथ मोलमे सिलाई करटी रहल ग्राहक वर्गहुकनहे सहर्ष जानकारी कराइटी ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

NISARGA
Hospital & Research Center Pvt. Ltd.

बालबालिकामा हुने सबैखाले रोग र समस्याहरू बाट छुट्कारा

नवजात शिशु तथा बालरोग सम्बन्धी उपचार तथा समस्याहरू

- बच्चाको दमको जाच, दममा प्रयोग हुने Spirometry
- बारम्बार रुघारखोकी लागिरहने समस्या
- घ्यार(घ्यार भइरहने, नाक बन्द भइरहने समस्या
- निमोनिया तथा एलर्जीको समस्या,
- खाना नखाने, तौल नबढ्ने,बारम्बार जोरो आहिरहने
- झाडापखाला लागिरहने, जन्डिस, अपच,कब्जियत,
- पेट दुख्ने र कान पाक्ने जस्ता समस्याहरु

डा.पुष्प राज अवस्थी

MBBS, MD (Paediatrics)
DM (Paediatrics Critical Care)
PGIMER (india), NMC No. 11987

डाक्टर आउने मिति **फागुन १६-१७ गते**

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal
Tel. **091-527000/01/02, 9865680100**

Advanced Healthcare for all...

शुक्लाफाँटा भ्रमण करुइया पर्यटकहे 'नेचर गाइड' नि:शुल्क

कञ्चनपुर, १० फागुन । कञ्चनपुरके शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्ज भ्रमण करुइया पर्यटकहे पथ प्रदर्शक (नेचर गाइड) नि:शुल्क करल बा ।

शुखसे भीमदत्त नगरपालिकासे आयोजना करल शुक्लाफाँटा पर्यटन महोत्सवमे महोत्सव अवधिभर निकुञ्ज भ्रमण करुइया पर्यटकहे पथ प्रदर्शक (नेचर गाइड) नि:शुल्क करल हो । शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जके स्थापना दिवसके अवसर पारके शुखसे १५ गतेसम शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जमे शुक्लाफाँटा पर्यटन महोत्सव आयोजना करल बा ।

नगरपालिकासे निकुञ्जमे पर्यटक भित्र्याइक लाग पर्यटन महोत्सव आयोजना करल भीमदत्त नगर पर्यटन विकास समितिके संयोजक राजेन्द्र केसी जानकारी डेलै । उहाँ पर्यटकके लाग शुक्लाफाँटा आकर्षक गन्तव्य रहल ओरसे यकर प्रचारप्रसार करक लाग महोत्सवके आयोजना करल बटैलै । "एक अँठ्वारसम चल्ना महोत्सवमे निकुञ्ज भ्रमण करुइया पर्यटकहे नि:शुल्क नेचर गाइडके व्यवस्था करल बा ।" उहाँ कहलै, "पर्यटकहे प्रोत्साहनस्वरूप पहिल एक सय गाडी (निजी तथा सफारी) नि:शुल्क करल बा ।" नेचर गाइड ओ सफारीके शुल्क शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जसे सहयोग कैना व्यवस्था मिलाइल उहाँके कहाइ रहल बा ।

प्रकृतिसँग रमाइक लाग पर्यटकके लाग शुक्लाफाँटा आकर्षण गन्तव्य रहल ओरसे यकर प्रचारप्रसारमे जोड डेहे पर्ना पर्यटन व्यवसायीहुक्के बटैठै । "आन्तरिक ओ बाह्य पर्यटक भित्र्याइक लाग राष्ट्रिय अन्तर्राष्ट्रियस्तरमे प्रचारप्रसार कैना आवश्यक बा," होटेल व्यवसायी सङ्घ कञ्चनपुरके अध्यक्ष रामचन्द्र रेग्मी कहलै, "स्थानीयस्तरमे निजी क्षेत्रसे पहल हुइलेसे फेन बाह्य पर्यटक भित्र्याएक लाग सरकारसे पहल करे परल ।"

विश्वमे दुर्लभ जीवजन्तु पैना शुक्लाफाँटाके प्रचारप्रसार कैके आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटकके गन्तव्यके रूपमे विकासके लाग महोत्सवसे सहयोग पुग्ना अपेक्षा रहल उहाँ बटैलै । शुक्लफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जके पथप्रदर्शक महानन्द जोशी शुक्लाफाँटा पर्यटकके लाग आकर्षक गन्तव्य रलेसे फेन प्रचारप्रसार नैहोके पर्यटकके संख्या न्यून रहल बटैलै । "शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जके प्रवेशद्वारसे २४ किमि दूरीमे शुक्लाफाँटाके बरवार घाँसे मैदान (फँट्वा) रहल बा । जौन फँट्वामे अक्केसँगे सयौँ बाह्रसिंगाके बगाल डेखे सेकजाइठ्," उहाँ कहलै, "वन्यजन्तु किल नैहोके यहाँ दुर्लभ वनस्पतिके लाग फेन प्रसिद्ध ठाउँ हो ।" उहाँ निकुञ्जमे ५६ प्रजातिके स्तनधारी जीव, ५६ प्रजातिके घस्रना वन्यजन्तु १५ प्रजातिके उभयचर, ८८ प्रजातिके मच्छी, १११ प्रजातिके पुतली निकुञ्जभित्रे रहल बाटै ।

उहाँके अनुसार शुक्लाफाँटामे विश्वमे दुर्लभ मानगैल सारस, खर मजुर, सिम तित्रा, राजधनेश ओ लेसर भुडीफोरजैसिन वन्यजन्तु फेन रहल बाटै । जेम्ने पाटेबाघ, एकसिंगे गैँडा, हाठी बाह्रसिंगा, कृष्णसार, सालक, नीलगाई, चितुवा चितल, लगुना, रतुवा, हिसपीड खरायो, बँदेल आदि रहल बटैं ।

तीन सय पाँच वर्गकिलोमिटर क्षेत्रफलमे फैलल् शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्ज बाह्रसिंगाके लाग प्रसिद्ध मानजाइठ् । निकुञ्जमे डुई हजार डुई सय ढेर बाह्रसिंगा रहल बाटै । यहाँ घुमे अउइया पर्यटक ढेर संख्यामे बाह्रसिंगाके बगाल डेखे पैठै । ओस्टके २५ ठो जंगली हाठी, १६ ठो एकसिंगे गैँडा, ४२ ठो पाठेबाघ रहल बाटै ।

"निकुञ्जके विश्वके सबसे बरवार घाँसेमैदान फेन यकर विशेषता हो निकुञ्जके १९ प्रतिशत क्षेत्र घाँसेमैदान रहल बा," जोशी कहलै, "जंगली हाठी, पाटेबाघ, चितुवा, बाह्रसिंगा, जरायो, चित्तलजैसिन स्तनधारी जनावर इ निकुञ्जके प्रमुख वन्यजन्तु हो कलेसे रानी टल्वा तथा अन्य छोट छोट टल्वामे मगर गोह फेन प्रशस्त रहल बाटै ।" उहाँके अनुसार रैथाने ओ बसाइँ सरके आके ४६१ से ढेर चिरैँचुरुंगी पाजैठै । शुक्लाफाँटाके क्षेउ पिपरियामे हात्तीसार रहल बा । त्यहाँ हाठी चहुँरे मिलठ् । आगन्तुकके समयअनुसार हाठीनमे जंगल सफारीके समेत सुविधा रहल बा । एक अँठ्वार सञ्चालन हुइना महोत्सवमे निकुञ्ज क्षेत्रमे सरसफाइ, निबन्ध प्रतियोगिता ओ नेपाल-भारतके पर्यटन व्यवसायी ओ ट्राभल व्यवसायीसँग अन्तर्क्रिया समेत आयोजना करल बटैलै ।

खुटिया लडिया प्रदूषित बन्टी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १० फागुन । सरसफाइ अभियान चलल् धनगढी उपमहानगरपालिकामे खुटिया लडिया प्रदूषित बने लागल बा । जथाभाबी फोहोर फँक्ना निषेध करल पालिकामे लडियामे फोहोर फँकलपाछे प्रदूषित हुइ लागल हो ।

धनगढी उपमहानगरपालिका-७ बेली बजार क्षेत्रमे लडियामे फोहोर फँकेल डेखजाइठ् । स्थानीय प्लास्टिकजन्यलगायत अन्य फोहोर लडियामे फँक्ना करल बाटै । लडियामे जथाभाबी फोहोर फँकेबर जल प्राणीमे असर करठ् ।

वडा नम्बर ७ के वडाध्यक्ष मोती राना पटेला क्षेत्रमे आर्यघाट रहल ओरसे वहाँके फोहोर पुहके बेली बजार क्षेत्रमे पुगल बटैलै । बेली बजारवासी लडियामे फोहोर नैफँकेल कहटी उहाँ कहलै, वहाँ फोहोर लेहक लाग ट्याक्टर जैना करल बा । जहाँसम बजारके बासिन्दा फोहोर नैफँकेल हुइही । पटेला क्षेत्रमे रहल आर्यघाटके फोहोर बहके यहोर पुगल हुइ सेकठ् । बेली बजारमे बजार व्यवस्थापन समिति रहल ओरसे समितिसँग फेन बुझ्ना कार्य अपने कैना वडाध्यक्ष राना बटैलै । उहाँ लडियामे रहल फोहोर उठैना पहल कैना उल्लेख करलै ।

सरसफाइके क्रममे उ फोहोर उठैना मै आग्रह करम्, राना कहलै । फोहोरसे मोहर बनैना कार्य हुइटी रहल धनगढीमे जथाभाबी फोहोर फँक्ना निषेध करल बा । सडकलगायत सार्वजनिक क्षेत्रमे जथाभाबी फोहोर फँक्लेसे धनगढी उपमहानगरपालिकासे दण्डजरिबाना कैना करल बा ।

गौरीगंगा नगरपालिकाद्वारा जनहितमा जारी सन्देश

चिसोमा हुने स्वास्थ्य समस्याबाट बचौं

- चिसोबाट् बालबालिका र ज्येष्ठ नागरिक बढी प्रभावित हुने हुँदा उनीहरूको उचित स्याहार गरौं,
- चिसोमा वाहिर हिड्दा तातो र न्यानो कपडा लगाऔं,
- कोठामा हिटर वा आगो वाल्दा होसियारी अपनाऔं,
- चिसोवाट जोगिन दैनिक घाम ताप्ने गरौं,
- शारीरिक व्यायाम गरौं,
- जाडोबाट बच्ने नाममा धुम्रपान र मद्यमान नगरौं,

गौरीगंगा नगरपालिका
नगरकार्यपालिकाको कार्यालय
चौमाला, कैलाली

अपाङ्गताका आधारमा हुने विभेदको अन्त्य गरौं

- अपाङ्गता भएका व्यक्तिको मानवअधिकार सुनिश्चित गरौं,
- अपाङ्गताको आधारमा गरिने भेदभाव सार्वजनिक अपराध हो, यस्ता भेदभावको अन्त्य गरौं,
- सार्वजनिक निकायका पूर्वाधार र सेवा प्रवाह अपाङ्गमैत्री बनाऔं,
- सार्वजनिक विद्युतीय सूचना प्रणाली र संचारलाई अपाङ्गतामैत्री बनाऔं,
- अपाङ्गताको आधारमा गरिने हरेक विभेद विरुद्ध खुलेर बोल्ने गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

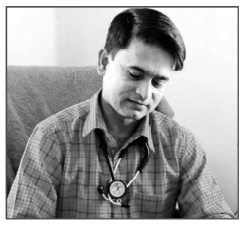

डा. संजयकुमार गुप्ता
एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)
इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ
एन.एम.सी. नं.-१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ढ्याउ-ढ्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्चे, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

***हाम्रा सेवाहरू** : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

NISARGA
Hospital & Research Center Pvt. Ltd.

1ST DM PEDIATRIC NEUROLOGIST IN NEPAL

बाल नशा, मस्तिष्क, टाउको रोग विशेषज्ञ/बाल न्युरोलोजिष्ट

के तपाईको बच्चामा न्यूरोलोजी सम्बन्धी निम्न लक्षणहरू छन् ।

- अठिजम/मानसिक विकासको कमी
- टाउको दुख्ने र रिङ्गाठा लाग्ने
- नशा झकझकम गर्ने, ढाँड तथा जोर्नीहरु दख्ने
- हिड्न र बोल्न विकासमा ढिलाई
- उचाई, तौल, सिकाई सम्बन्धी समस्याहरु
- बाल छारे रोग
- मस्तिष्क घाट/मस्तिष्क ज्वरो
- न्यूरो जेनेटिक (वंशाणुगत रोगहरु
- मुख बाँगिने र मांशपेशीका रोगहरु

डा. सन्तोष मिश्र
Consultant Pediatrics Neurologist
MBBS, MD, DM (PGIMER Chandigarh, India)
NMC No.: 11709

डाक्टर आउने मिति **फागुन १६-१७ गते**

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal
Tel. 091-527000/01/02, 9865680100

Advanced Healthcare for all...